हुक्म या कार्यवाही मय इनिशिवल्स जज | अहकाम जो हुक्म की तामील में जारी हुए

पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उप०।
पत्रावली वास्ते साक्ष्य वादी दिनांक 18.11.22 को पेश हो।

11/22 पत्रावली पेश हुई। वकील वादी अनु०।
रुक रुक कर तीन बार आवाज दिलाई गई। न तो वकील उप. न ही वादी उप०। ऐसी स्थिति मे न्यायालय उक्त वाद को आगे जारी रखना उचित नही समझता है। अतः वाद को अदम हाजरी अदम पैरवी मे खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम की जावे। निर्णय आज दिनांक 18.11.22 को खुले इजलास सुनाया गया।